# पंचायती राज संस्थाओं में नगर पंचायत का महत्व

**राजन पंडित**

पंचायती राज संस्थाओं में नगर पंचायत का विशेष रुप से इस विशिष्ट अर्थों में होता है कि ऐसे सीमांकन वाले क्षेत्र ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के मध्य की अवस्था है।

पंचायती राज संस्थाओं में नगर पंचायत का महत्व अति विशिष्ट है। नगर पंचायत महात्मा गाँधी के सपनों का साकार रुप है। भारतीय लोकतांत्रिक राजव्यवस्था के सत्ता के विकेन्द्रीकरण के आदर्श प्रारुप में नगर पंचायत अपने शक्तियों एवं अधिकारों के द्वारा अपने क्षेत्राधीन नागरिकों के सर्वांगीण विकास के गति को मजबूत करती है। नगर पंचायतों का गठन, कार्य–योजना, निर्णय प्रणाली इत्यादि गतिविधियाँ सुव्यवस्थित रुप से संचालित एवं सम्पादित होती है। अतः इनमें तनिक भी संशय नहीं है कि जिस परिस्थितियों में जिन उद्देश्यों को लेकर नगर पंचायत के अवधारणा को लाया गया उसका सफल रुप सम्पूर्ण भारतवर्ष में दृष्टिगोचर हो रहे हैं।